मंदिर में रहती हो मेरी माँ

मंदिर में रहती हो मेरी माँ
कभी बाहर भी आया जाया करो

मैं रोज तेरे दर आती हूँ
कभी तुम भी मेरे घर आया करो
मंदिर में.....

में रोज खाऊ माँ प्रसाद तेरा
कभी तुम भी मेरे घर खाया करो
मंदिर में.....

में रोज तुम्हें दुखड़े सुनाती हूँ
कभी अपना भी हाल सुनाया करो
मंदिर में.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4538/title/mandir-me-rehti-ho-meri-maa-kabhi-bahar-bhi-aya-jaya-karo

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |